

# न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, सांचौर, जिला-जालोर

पीठासीन अधिकारी प्रमोद कुमार, आर.ए.एस.

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या 39/2019

प्रार्थी

बनाम

अप्रार्थीगण

1. लादुराम पुत्र वगताराम जाति विश्नोई  
निवासी अरणाय तहसील सांचौर जिला  
जालोर।

1. सोनाराम पुत्र नरिंगाराम ।  
2. सांवलाराम पुत्र सोनाराम ।  
3. मनोहरलाल पुत्र सोनाराम जाति  
विश्नोई निवासी अरणाय तहसील  
सांचौर जिला जालोर।

अन्तर्गत धारा 111, 128 राज0 भू राजस्व अधिनियम 1956  
उपस्थिति :-

प्रार्थी अधिवक्ता श्री सदराम विश्नोई।

—: निर्णय :-

दिनांक:-29.01.2025

1. प्रार्थी द्वारा अप्रार्थीगण के विरुद्ध राजस्व वाद अंतर्गत धारा 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 व अंतर्गत धारा 111,128 राज0 भू-राजस्व अधिनियम 1956 के तहत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया, वादी वकील द्वारा धारा 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 का अनुतोष तर्क किया गया व राजस्व प्रार्थना पत्र 111, 128 जिसके तथ्य संक्षेप में प्रार्थना पत्र के अनुसार इस प्रकार है कि सरहद प्रार्थीगण मौजा अरणाय तहसील सांचौर में प्रार्थीगण की खातेदारी आराजी नवीन खसरा नम्बर 22, 2329/23, 2330/586, 2331/604 रकबा क्रमशः 0.20, 0.40, 0.40, 0.44 हे. जुमले रकबा 1.44 हैक्टेयर उक्त आराजी की खातेदारी प्रार्थीगण के नाम दर्ज हैं। नकल चालू जमाबंदी संलग्न प्रार्थना पत्र पेश हैं।
2. प्रार्थी द्वारा वर्णित किया की उक्त आराजी के पड़ोस में दक्षिण दिशा की तरफ अप्रार्थी प्रतिदिन खेत की माट तोड़ कर खेत में घुसना चाहते हैं। जिस पर मने कई बार लोगों से मध्यस्थता करवाई तथा सेढा तोड़ने से मना किया व धारा 107 की कार्यवाही कर पाबंद भी करवाया। परन्तु अप्रार्थी अपनी बेजा हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं तथा प्रतिदिन सेढा तोड़कर अन्दर कब्जा करने की फिराक में हैं। अप्रार्थीगण के नाम से उसके खातेदारी में आवास योजना के तहत प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ है जिसके तहत अप्रार्थीगण को आवास बनाना है जो अपने खातेदारी में नहीं बनाकर मेरी खातेदारी में आवास बनाकर सरकार से सहायता प्राप्त करना चाहते हैं व ऐसा कर अपने पक्ष में सबुत इकट्ठा करना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में अप्रार्थीगण ने आवास बनाने हेतु निवे खोदने पर हमें जानकारी हुई तो हमने अप्रार्थीगण को निव खोदने से मना किया व हमारे खातेदारी में सेढा तोड़कर आवास बनाने हेतु मना कर कार्य रोकना को कहा तो अप्रार्थीगण व उसका परिवार आग बबुला हो गये व मरने मारने पर उत्तारु हो गये। मैं वादी शांति प्रिय व्यक्ति हूँ। किसी तरह के फोजदारी विवाद में नहीं पड़ना चाहता तथा खातेदारी का पुश्तेनी खेत छोड भी नहीं सकता। इसलिए समय रहते कानून की मंशानुसार वाद पेश कर मेरे खातेदारी के अधिकारों की रक्षा के लिए यह दावा बाबत स्थाई निषेधाज्ञा का पेश है साथ ही नेखमबंदी हेतु भूमि पैमाईस कर नेखमबंदी किये जाने हेतु प्रार्थना पत्र भी साथ में पेश है।
3. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को नोटिस जारी किये गए। अप्रार्थी संख्या 1 से 3 की ओर से बाद तामिल नोटिस कोई उपस्थित नहीं होने से इनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की गई।
4. पत्रावली मे पेश प्रार्थीगण के प्रार्थना पत्र व संलग्न दस्तावेज का अवलोकन करने व प्रार्थीगण के विद्वान अधिवक्ता के तथ्यों पर मनन करने पर पाया कि प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण संख्या 1 से 3 की उक्त आराजी के बीच की सीमा अस्पष्ट होने पर प्रार्थीगण द्वारा अपनी खातेदारी

सहायक जज, सांचौर  
उपखण्ड अधिकारी, सांचौर



आराजी मौजा अरणाय तहसील सांचौर में प्रार्थीगण की खातेदारी की पैमाईश कर सीमांकन करवाने हेतु श्रीमान तहसीलदार सांचौर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया जाना था, जो प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया और प्रार्थना पत्र सीधे ही न्यायालय में प्रस्तुत किया गया अतः प्रार्थना पत्र आंशिक रूप से स्वीकार किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है।

—: आदेश :-

5. अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र आंशिक रूप से स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार सांचौर को आदेश दिया जाता है कि सरहद मौजा अरणाय तहसील सांचौर के आराजी नवीन खसरा नम्बर 22, 2329/23, 2330/586, 2331/604 रकबा क्रमशः 0.20, 0.40, 0.40, 0.44 हे. जुमले रकबा 1.44 हैक्टेयर आराजी व अप्रार्थी संख्या 1 से 3 की आराजी के मध्य माठ की नियमानुसार पैमाईस करवायें। इस आदेश की पालना हेतु आदेश की प्रति तहसीलदार सांचौर को भेजी जावें। पक्षकारान अपना-अपना खर्चा वहन करें।

पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

(५०)  
(प्रमोद कुमार)  
उपखण्ड अधिकारी, सांचौर  
सांचौर जिला जालौर

निर्णय आज दिनांक 29.01.2025 को मेरे द्वारा सरे इजलाज सुनाया गया।

(५०)  
उपखण्ड अधिकारी, सांचौर  
सांचौर जिला जालौर